अपराध संक्षेप

कार सवार युवक को पीटकर मोबाइल तोड़ा

जसवंतनगर। कार से ससुराल जा रहे युवक के साथ मारपीट व जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने चार नामजद लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना सात फरवरी दोपहर करीब एक बजे की बताई जा रही है। पीड़ित नीरज कुमार निवासी रमैयापुर थाना सैफई ने पुलिस को तहरीर दी। इसमें बताया कि वह कार से ससुराल ग्राम महलई जा रहा था। रास्ते में एक कोल्ड स्टोर के सामने टिल्लू, सुमित, सचिन और अनुज निवासीगण महलई ने उसे रोका और जबरन कार से खींच लिया। इसके बाद उसकी पिटाई की और मोबाइल भी तोड़ दिया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर चारों आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। (संवाद)

डेढ़ महीने बाद भी दर्ज नहीं हुई चोरी की प्राथमिकी

इकदिल। थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत दामोदरपुर के मिनी सचिवालय में हुई चोरी के मामले में पुलिस ने 48 दिन बीत जाने के बाद भी प्राथमिकी दर्ज नहीं की है। मामला बीते 24 दिसंबर का है। सुबह करीब 8:45 बजे जब छात्र लाइब्रेरी पहुंचे, तो उन्होंने सचिवालय का ताला टूटा देखा। चोरों ने पंचायत सहायक कक्ष का दरवाजा काटकर वहां लगे सीसीटीवी डीवीआर, दो कैमरे, एचपी प्रिंटर, इन्वर्टर, दो बैटरी और पावर बोर्ड समेत कीमती उपकरण पार कर दिए थे। ग्राम प्रधान प्रभा देवी ने बताया कि चोरी वाले दिन ही यूपी पुलिस 112 को सूचना दी गई थी। मौके पर हलका इंचार्ज शूरवीर सिंह भी पहुंचे थे और उन्होंने आकर साक्ष्य भी जुटाए थे। (संवाद)

पड़ोसी ने महिला को पीटा, प्राथमिकी दर्ज

इकदिल। गांव भवानीपुर निवासी सुनीता ने थाने में तहरीर दी। पीड़ित महिला ने बताया वह सोमवार सुबह घर खेतों के तरफ कूड़ा डालने जा रही थी। तभी पड़ोसी महिला के घर के सामने से निकलते समय पड़ोसी महिला सावित्री देवी गालीगलौज करने लगी। महिला ने विरोध किया तो उसे पड़कर जमीन पर पटक कर मारपीट कर उसे घायल कर दिया। चीखने चिल्लाने की आवाज सुनकर लोगों के आने पर जान से मारने की धमकी देकर भाग गई। पीड़ित महिला को जिला अस्पताल भेजा गया।प्रभारी निरीक्षक विक्रम सिंह चौहान ने बताया प्राथमिकी दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। (संवाद)

सट्टा खेलते युवक गिरफ्तार

जसवंतनगर। नगर क्षेत्र में सट्टे की खाई-बाड़ी करते हुए पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। सिटी इंचार्ज मनीष कुमार ने बताया कि रामलीला मैदान के पास संदिग्ध गतिविधि की सूचना पर कार्रवाई की गई। मौके से राहुल निवासी जैन मोहल्ला को सट्टा लिखते हुए पकड़ा गया। तलाशी में उसके पास से 1040 रुपये नकद, पेन और सट्टे से संबंधित पर्चियां बरामद की गईं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की गई है। (संवाद)

स्कूल के पास युवक चाकू समेत गिरफ्तार

जसवंतनगर। पुलिस ने ग्राम पाठकपुरा स्थित जूनियर स्कूल के समीप से एक युवक को चाकू समेत गिरफ्तार किया है। एसआई शुभम वर्मा ने बताया कि सोमवार रात करीब नौ बजे जूनियर स्कूल के पास संदिग्ध हालत में खड़े बंसी मोहन उर्फ बंटू निवासी नगला डंवर थाना जसवंतनगर को पकड़ा गया। तलाशी लेने पर उसकी जेब से एक चाकू बरामद किया गया। पुलिस ने युवक के खिलाफ आर्म्स एक्ट समेत कई धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर उसे जेल भेज दिया। (संवाद)

तार टूटा, छत पर खड़े छात्र के शरीर में दौड़ा 11 हजार वोल्ट का करंट, गई जान

छत पर चल रहा था निर्माण कार्य तभी तार टूटने से हुआ हादसा

संवाद न्यूज एजेंसी

इकदिल। सराय जलाल गांव में मकान के ऊपर से गुजरी हाईटेंशन लाइन इंटर के छात्र की मौत का कारण बन गई। छात्र मंगलवार सुबह छत पर चल रहे निर्माण कार्य में हाथ बटा रहा था तभी लाइन का तार टूट गया और छात्र करंट की चपेट में आ गया। इससे उसकी मौत हो गई। उसे बचाने के प्रयास में ताऊ और चचेरा भाई भी करंट से झुलस गए। दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

प्रियांशु । फाइल फोटो

प्रियांशु दोहरे की मौत की जानकारी पर रोती मां। संवाद

सराय जलाल निवासी प्रियांशु दोहरे (18) मंगलवार सुबह करीब 11 बजे अपने घर की छत पर खड़ा था। उस समय छत पर निर्माण कार्य चल रहा था और वह ऊपर ईंटें रखवा रहा था। इस दौरान घर के ऊपर से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन का तार अचानक टूटकर सीधे प्रियांशु के ऊपर आ गिरा।

तेज करंट की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से झुलस गया और छत पर ही गिर पड़ा। प्रियांशु की चीख-पुकार सुनकर पास में मौजूद उसके ताऊ प्रमोद कुमार और उनका बेटा दीपू सिंह उसे बचाने के लिए दौड़ पड़े। जैसे ही उन्होंने उसे हटाने का प्रयास किया। वह भी करंट की चपेट में आकर झुलस गए। किसी तरह आसपास के लोगों ने हिम्मत जुटाकर बिजली की लाइन से दूरी बनवाई और तीनों को तुरंत नीचे उतारा।

आनन-फानन तीनों को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद प्रियांशु को मृत घोषित कर दिया। वहीं, प्रमोद कुमार और दीपू सिंह का उपचार किया जा रहा है। मृतक प्रियांशु जनता इंटर कॉलेज बकेवर में 12 वीं कक्षा का छात्र था। परिवार वालों के अनुसार प्रियांशु घर का सबसे

बचाने के लिए दौड़े ताऊ और चचेरे भाई भी झुलसे, दोनों भर्ती

बड़ा बेटा था। उसके बाद एक छोटा भाई और एक बहन है। पिता उदयभान सिंह मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। मां किरन देवी का रो-रोकर बुरा हाल है।

ग्रामीणों का कहना है कि घर के ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन पहले से ही खतरा बनी हुई थी। कई बार लोगों ने इसकी शिकायत भी की थी लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। लोगों का कहना है कि क्षेत्र के कई मकानों के ऊपर से इसी तरह लाइन गुजर रही है। इससे कभी भी दोबारा गंभीर हादसा हो सकता है। बिजली निगम के अधिकारी हैं कि कुछ सुनने को तैयार नहीं है।

वहीं, उपखंड अधिकारी प्रेमचंद की ओर से बताया गया कि मकान के ऊपर काफी समय पहले से ही वहां हाई टेंशन लाइन निकली हुई है। मकान के ऊपर काम चल रहा है। ईंट लगने से तार टूट गया।

प्रेमी के साथ मिलकर पति को उतारा था मौत के घाट

संवाद न्यूज एजेंसी

भरथना। अवैध संबंधों में बाधा बन रहे ट्रक चालक की हत्या करने वाली उसकी पत्नी और उसके प्रेमी को कोतवाली पुलिस ने सोमवार देर रात अहनैया पुल के पास से गिरफ्तार कर लिया। महिला ने बताया कि उसने पति को पहले शराब पिलाई। फिर प्रेमी को बुलाकर उसकी हत्या कर दी। बताया कि सबसे पहला वार उसी ने कुल्हाड़ी से किया था।

महिला ने पुलिस पूछताछ में बताया कि उसका प्रेम प्रसंग अर्पित के साथ लगभग डेढ़ साल से चल रहा था। पति को इसकी जानकारी हो गई थी तो वह अक्सर नशे की हालत में उसे पीटता था। इससे वह परेशान थी। अर्पित से मिलने या बात करने पर भी रोकटोक लगाता था इसलिए अर्पित के साथ मिलकर पति रनवीर को मारने की योजना बनाई थी।

आरोपी पूजा ने पूछताछ में बताया कि देर शाम घूमकर लौटा रनवीर घर पर ही शराब पी रहा था। उसके थोड़े नशे में होने के बाद खुद उससे और शराब मंगवाई और उसे पीने को कहा। जब वह अधिक नशे में हो गया तो अर्पित को फोन करके बुला

आरोपी पत्नी बोली, अवैध संबंध का विरोध करता था इसलिए रास्ते से हटा दिया

पुलिस गिरफ्त में आरोपी। स्रोत : पुलिस

लिया। बताया कि रात लगभग आठ बजे पति के शराब पीने के दौरान ही कुल्हाड़ी से उसकी गर्दन पर पहला वार किया।

हमला होते ही उसने भागना शुरू कर दिया था। उसके बाद अर्पित और मैंने बरामदे में उस पर कई वार किए लेकिन वह रुक नहीं रहा था और बरामदे के बाहर सड़क तक चला गया। हालांकि वहीं अंतिम वार करने पर उसने दम तोड़ दिया था। बता दें कि रविवार को पत्नी पूजा ने प्रेमी अर्पित के साथ मिलकर कुल्हाड़ी से हत्या कर दी थी।

उद्योगों को मिलेगी 24 घंटे निर्बाध बिजली

फीडर का शुभारंभ करते एक्सईएन और उद्यमी दीपक गुप्ता। स्रोत स्वयं

संवाद न्यूज एजेंसी

इटावा/जसवंतनगर। उद्योगों के लिए 24 घंटे निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए औद्योगिक फीडर का शुभारंभ अधिशासी अभियंता कृष्ण कुमार व भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष दीपक गुप्ता ने संयुक्त रूप से किया।

भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष दीपक गुप्ता ने बताया कि बिजली की समस्या की वजह से उद्यमी और व्यापारी परेशान रहते थे।लंबे समय से अलग से औद्योगिक फीडर लगाने की मांग चल रही थी। राइस मिल में भी पावर ब्रेकडाउन के कारण प्रतिदिन मात्र 15-16 घंटे ही बिजली मिल पाती थी। इस समस्या के समाधान के लिए अधीक्षण अभियंता, मुख्य अभियंता कानपुर और शक्ति भवन लखनऊ में विद्युत निगम के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कई बैठकें कीं और ज्ञापन सौंपे।

व्यापारी आशीष गुप्ता, राजीव कुमार गुप्ता, मुन्नालाल माहौर, अनूप सिंह शाक्य, दुर्गा प्रसाद मिश्र आदि ने खुशी व्यक्त की है।

टैंकर में पीछे से घुसी बाइक, एक की मौत

संवाद न्यूज एजेंसी

बकेवर। कानपुर आगरा नेशनल पर महेवा में शाह होटल के पास मंगलवार को टैंकर में बाइक पीछे से घुस गई। बाइक सवार तीन युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। इसमें एक की मौत हो गई। घटना से मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

घायलों की पहचान सूरज, राम जी निवासी गहवा थाना रुरा कानपुर देहात व अरविंद के रूप में हुई है। बताया गया कि तीनों युवक कानपुर देहात के रूरा से थाना के गहवा गांव भरथना बरात में शामिल होने जा रहे थे। इसी दौरान औरैया की ओर से जिले की जा रही उनकी बाइक शाह होटल के पास अनियंत्रित होकर ट्रक में जा घुसी।

पुलिस ने घायलों को महेवा सीएचसी भिजवाया, जहां से तीनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। अस्पताल में सूरज की मौत हो गई। हादसे के बाद टैंकर चालक मौके से भाग निकला। पुलिस ने क्षतिग्रस्त बाइक व टैंकर को कब्जे में ले

महेवा बाईपास पर हादसा, दो युवकों की हालत गंभीर, बरात जा रहे थे तीनों बाइक सवार

टैंकर में बाइक पीछे से घुसी बाइक। संवाद

लिया है और चालक की तलाश शुरू कर दी है। कुछ देर के लिए मार्ग पर यातायात भी प्रभावित रहा, जिसे पुलिस ने सुचारु कराया। सूरज की मौत से उसके परिजन बदहवास हो गए। जानकारी मिलते ही तीनों युवकों के परिजन रोते-बिलखते अस्पताल पहुंचे। सूरज के घरवालों को अस्पताल कर्मियों ने बड़ी मुश्किल से संभाला। पुलिस के मुताबिक घायलों का इलाज जारी है।

अनियंत्रित कार डिवाइडर से टकराकर पलटी, चार घायल

इकदिल। पक्का बाग स्थित नेशनल हाईवे पर मंगलवार सुबह एक कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई और पलट गई, जिससे उसमें सवार चार लोग घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। बताया जा रहा है कि कार हरिद्वार से औरैया जा रही थी। जैसे ही पक्का बाग के पास पहुंची, अचानक चालक का नियंत्रण बिगड़ गया और कार डिवाइडर से टकराने के बाद पलट गई। हादसे में औरैया के थाना अयाना क्षेत्र के सिबरना गांव निवासी शिवकरन, त्रिभुवन, संगीता देवी और पांच वर्षीय अभि घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और सूचना पुलिस को दी गई। (संवाद)

ट्रेन की चपेट में आने वाली महिला की शिनाख्त

भरथना। कस्बे की रेलवे क्रॉसिंग संख्या 20-बी पर सोमवार दोपहर एक वृद्ध महिला ट्रेन की चपेट में आ गई थी जिससे उसकी दर्दनाक मौत हो गई थी। महिला फाटक पार कर रही थी, तभी डाउन लाइन पर इटावा की ओर से आ रही 12488 सीमांचल एक्सप्रेस ने उसे टक्कर मार दी थी। हादसे में शव इंजन के अगले हिस्से में फंस गया सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को मोर्चरी पर रखवा दिया था। मंगलवार को थाना इकदिल के कल्याणपुर, मुगलपुर नरैनी निवासी जिलेदार ने मां कमला देवी (69) के रूप में की। वहीं मृतक के पुत्र ने बताया कि मां उनकी बहन के यहां दो दिन पूर्व गई हुई थी। तभी घटना हो गई है। (संवाद)

कमला देवी। (फाइल फोटो)

सेवानिवृत्त शिक्षक के साथ पौने तीन लाख की ठगी बची

बैंक शाखा प्रबंधक की सतर्कता काम आई

संवाद न्यूज एजेंसी

बकेवर। बैंक मैनेजर की सतर्कता से रिटायर्ड शिक्षक के साथ होने वाली पौने तीन लाख रुपये साइबर ठगी बच गई। बकेवर जनता विद्यालय इंटर कॉलेज के रिटायर्ड शिक्षक रामसेवक वर्मा निवासी शास्त्री नगर बकेवर को मुंबई से खुद को बीमा लोकपाल अधिकारी बताने वाली महिला ने फोन किया।

रिटायर्ड शिक्षक के एक निजी कंपनी में जमा रुपयों को निकालने के एवज में उनसे रुपये ट्रांसफर को कई बार फोन किया। सोमवार दोपहर करीब एक बजे रामसेवक वर्मा कस्बा स्थित पंजाब नेशनल बैंक बकेवर शाखा पहुंचे। अपने खाते से पौने तीन लाख रुपये आरटीजीएस के माध्यम से एक खाते में भेजने लगे।

शाखा प्रबंधक प्रदीप कुमार चौहान को कुछ संदेह हुआ। उन्होंने जांच करने पर पता चला कि रकम मुंबई के किसी अन्य खाते में जा रही है। इस पर उन्होंने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरटीजीएस का लेन-देन रुकवाया। इससे रिटायर्ड शिक्षक के साथ करीब 2 लाख 75 हजार रुपये का फ्रॉड होने से बच गया। शिक्षक ने बैंक प्रबंधक का आभार जताया।

मधुमक्खियों के डंक से बेहोश होकर गिरा ग्रामीण

गांव चकवा बुजुर्ग के पास की घटना, घर जा रहा था ग्रामीण

संवाद न्यूज एजेंसी

इटावा। गांव से बाजार जा रहे व्यक्ति पर मधुमक्खियों के झुंड ने हमला कर दिया। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना बसरेहर थाना क्षेत्र के गांव चकवा बुजुर्ग के पास की है।

मुकुट सिंह (50) निवासी लटूपुरा थाना सैफई अपने गांव से बसरेहर की ओर जा रहे थे। इस दौरान चकवा बुजुर्ग के पास सड़क किनारे मधुमक्खियों के झुंड की चपेट में आ गए। अचानक हुए हमले से वह कुछ समझ पाते, इससे पहले ही मधुमक्खियों ने उन्हें डंक मारना शुरू कर दिया। मधुमक्खियों के डंक से निकले जहर के प्रभाव से मुकुट सिंह बेहोश होकर सड़क किनारे गिर पड़े।

लोगों ने किसी तरह उन्हें मधुमक्खियों के झुंड से बचाया और एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बसरेहर पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उन्हें आयुर्विज्ञान विवि रेफर कर दिया।

दसवीं की छात्राओं को दी विदाई

बकेवर। महेवा के श्रीसुखदेवी कन्या माध्यमिक विद्यालय में यू पी बोर्ड की परीक्षा में शामिल होने वाली दसवीं की छात्राओं को विद्यालय परिवार ने विदाई दी गई। दूसरी ओर सभी छात्राओं को परीक्षा किट भी दी गई। विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. अमिता यादव ने सभी छात्राओं को परीक्षा को बिना किसी दबाव एवं तनाव के तैयारी करने, परीक्षा में नियमित रूप से विद्यालय यूनीफार्म में जाने, आधार कार्ड व प्रवेश पत्र साथ में ले जाने की सलाह दी। (संवाद)

परीक्षा के तनाव में भागे चार छात्र कानपुर में मिले

इकदिल। थाना क्षेत्र अर्द्धवार्षिक परीक्षा में कम अंक आने और परिजनों की डांट से क्षुब्ध होकर घर से निकले कक्षा नौ के चार छात्र इकदिल पुलिस को कानपुर सेंट्रल पर सकुशल मिले।

सोमवार शाम करीब चार बजे सेवन हिल्स स्कूल के चार छात्र बिना बताए घर से चले गए थे। परिजनों के अनुसार छात्र परीक्षा परिणाम को लेकर तनाव में थे और घरों से करीब डेढ़ लाख रुपये लेकर निकल गए थे। सीसीटीवी फुटेज में उन्हें शाम पाच बजे इटावा स्टेशन पर देखा गया। एसएसपी के निर्देशन में थाना प्रभारी विक्रम सिंह चौहान ने सर्विलांस की मदद ली। छात्र शिवम के मोबाइल की अंतिम लोकेशन रात 10:36 बजे कानपुर सेंट्रल मिलते ही पुलिस ने घेराबंदी कर चारों को सुरक्षित ढूंढ निकाला। मंगलवार सुबह बच्चों को परिजनों के सुपुर्द किया गया। (संवाद)

पंकज समिति के जिलाध्यक्ष मनोनीत

इकदिल। परशुराम सेवा समिति उप्र के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सुशील सम्राट ने प्रदेश उपाध्यक्ष केके चतुर्वेदी की सहमति पर मोहल्ला सतेश्वर औरैया निवासी पंकज अवस्थी एडवोकेट को परशुराम सेवा समिति औरैया का जिलाध्यक्ष मनोनीत किया है। साथियों ने हर्ष जताया है। (संवाद)

अमर उजाला

यदि आपको अमर उजाला की प्रति नियमित या समय से नहीं मिल रही है तो कृपया टोल फ्री नंबर या ई-मेल के माध्यम से हमें बताएं। हम शीघ्र ही उसे समय से पहुंचाना सुनिश्चित करेंगे।

अपना अखबार शुरू करवाने के लिए संपर्क करें

1800 121 1166
सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक

circulation@amarujala.com

IDBI BANK

क्षेत्रीय कार्यालयः द्वितीय तल, बीएसएनएल भवन, मॉल रोड, कानपुर- 208001

अचल संपत्तियों की बिक्री के लिए सार्वजनिक सूचना/बिक्री सूचना

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 (6) के परन्तुक के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम 2002 के अधीन अचल आस्तियों के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय नोटिस।

सर्वसाधारण और विशेष रूप से उधारकर्ता (ओं) एवं गारंटर (ओ) को सूचित किया जाता है कि नीचे वर्णित अचल संपत्तियाँ, जो IDBI बैंक के पक्ष में बंधक/चार्ज की गई थी, जिनका सांकेतिक कब्जा प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है, उन्हें नीचे दिए गए दिनांक को "जैसी है जहाँ है", "जैसी है वैसी है" और "जो कुछ भी है" आधार पर बेचा जाएगा, ताकि बकाया राशि, ब्याज और संबंधित व्यय की वसूली की जा सके, जैसा कि नीचे तालिका में उल्लेखित है। यह बिक्री IDBI बैंक द्वारा बकाया राशि की वसूली के लिए की जाएगी। आरक्षित मूल्य और बयाना राशि नीचे दी गयी तालिका में उल्लेखित है। उधारकर्ताओं, बंधककर्ताओं, गारंटरों, बकाया राशि, बयाज़ और व्यय का विवरण तथा अचल संपत्ति और कोई भी ज्ञात भार (अगर कोई है तो) के बारे में विवरण नीचे तालिका में उल्लेखित है।

क्र. सं.	उधारकर्ता/ सह-उधारकर्ता /गारंटर/बंधक कर्ता का नाम	बकाया राशि का उल्लेख मांग नोटिस के अनुसार किया गया है	अचल सुरक्षित परिसंपत्तियों का विवरण	ई-नीलामी की तिथि और समय	आरक्षित मूल्य / ईएमडी / बोली वृद्धि राशि	निरीक्षण /ईएमडी की तिथि एवं समय	प्राधिकृत अधिकारी/नोडल अधिकारियों का नाम एवं संपर्क संख्या
1.	1. अतुल आयरन वर्क्स (फर्म/उधारकर्ता) 2. श्री बृज किशोर पोरवाल पुत्र श्री राम मोहन पोरवाल (पार्टनर/उधारकर्ता/गारंटर) 3. श्री अतुल कुमार पुत्र श्री राम मोहन पोरवाल (पार्टनर/उधारकर्ता/गारंटर)	रु. 21,88,767/- (रूपये इक्कीस लाख अठ्ठासी हजार सात सौ सरसठ मात्र) + दिनांक 01.11.2023 से ब्याज/जुर्माना/अतिरिक्त शुल्क सहित	अचल सम्पत्ति के सभी भाग व खण्ड आवासीय प्लॉट, क्षेत्रफल 83.64 वर्ग मीटर स्थित मौजा कस्बा इटावा (गांधी नगर), तहसील इटावा, इटावा, राज्य उत्तर प्रदेश, **चौहद्दीः पूर्वः** हकीम सिंह का प्लॉट, **पश्चिमः** गली, **उत्तरः** सुल्तान सिंह का मकान, **दक्षिणः** गली साथ ही, इस पर बनी सभी संरचनाएं एवं निर्माण, वर्तमान एवं भविष्य दोनों।	तिथिः 16.03.2026 समयः 11.00 बजे से 04.00 बजे तक	रू. 32,28,000/- / रू. 3,22,800/- / रू. 10,000/-	तिथिः 13.03.2026 केवल बैंकिंग समय के दौरान / 14.03.2026 शाम 6:00 बजे तक	ऋचा अवस्थी (मो0. 7905314386) सुमंत प्रसाद (मो0. 9899896356) मनीष कुमार (मो0. 8299709587)
सुरक्षित लेनदार को ज्ञात भारः- (श्री सुधीर कुमार गिरवी रखी गई संपत्ति में निवास कर रहे हैं)							
2.	1. मेसर्स नारायण इंटरप्राइजेज (फर्म/उधारकर्ता) 2. श्री शिरीष मिश्रा (प्रोपराइटर/उधारकर्ता/गारंटर) 3. श्रीमती उर्मिला देवी मिश्रा (बंधककर्ता/गारंटर)	रु. 14,43,998/- (रूपये चौदह लाख तिरासी हजार नौ सौ अठ्ठानवे मात्र) + दिनांक 01.10.2017 तक + ब्याज/जुर्माना/अतिरिक्त शुल्क दिनांक 02.10.2017 से प्रभावी	अचल सम्पत्ति के सभी भाग व खण्ड, मकान संख्या जे-2/13, ब्लॉक W-1, स्कीम 2, जूही कलां, कानपुर नगर, **क्षेत्रफल 111.152 वर्ग मीटर, चौहद्दीः पूर्वः** 9.15 मीटर सड़क, **पश्चिमः** मकान संख्या 12, **उत्तरः** मकान संख्या 14, **दक्षिणः** 12 मीटर सड़क साथ ही, इस पर बनी सभी संरचनाएं एवं निर्माण, वर्तमान एवं भविष्य दोनों।	तिथिः 16.03.2026 समयः 11.00 बजे से 04.00 बजे तक	रू. 83,70,000/- / रू. 8,37,000/- / रू. 10,000/-	तिथिः 13.03.2026 केवल बैंकिंग समय के दौरान / 14.03.2026 शाम 6:00 बजे तक	सुनील कुमार कंदु (6392312473) सुमंत प्रसाद (9899896356) मनीष कुमार (8090098551)
सुरक्षित लेनदार को ज्ञात भारः- (श्रीमती उर्मिला देवी मिश्रा गिरवी रखी गई संपत्ति में निवास कर रही हैं)							

ईएमडी केवल www.baanknet.com के माध्यम से जमा की जानी है।

बिक्री के विस्तृत नियम एवं शर्तों के लिए, कृपया आईडीबीआई बैंक लिमिटेड सुरक्षित लेनदार की वेबसाइट www.idbibank.in पर दिए गए लिंक को देखें।

दिनांकः 11.02.2026 स्थानः कानपुर/इटावा प्राधिकृत अधिकारी, आईडीबीआई बैंक लि.

महाराष्ट्र शासन अंगिकृत

पुणेगृहनिर्माण व क्षेत्रविकास मंडळ

(म्हाडाचा विभागीय घटक)

म्हाडा MHADA

गृहनिर्माण भवन, (अलंकार थिटरच्या मागे) आगरकर नगर, पुणे ४११००१
फोन नं.०२०-२६१२१८३०.

ई-निविदा/का.अ.१/पुणे/१२/२०२५-२६
Main Portal :- http://mahatenders.gov.in
वेबसाईट : https://mhada.gov.in

ऑनलाईन ई-निविदा

उपमुख्य अभियंता / पुणे मंडळ यांच्या वतीने कार्यकारी अभियंता-१/ पुणे मंडळ यांचे मार्फत ई-निविदा प्रक्रियेच्या माध्यमातुन डीजिटल स्वाक्षरी असणारे विनाशर्त ऑनलाईन ई-निविदा खालील नमुद केलेल्या कामासाठी मागविण्यात येत आहेत. ई-निविदा तपशील व दस्तऐवज वर नमुद केलेल्या संकेतस्थळावर दि.११/०२/२०२६ सकाळी ११.०५ पासुन उपलब्ध असेल.

कामाचे नाव	ई-निविदा रक्कम	बयाणा रक्कम
मौजे जांभुळ, ता. मावळ, जि. पुणे येथील गट नं. २९६, २९९, ३०४, ३०५, ३०६, ३०७, ३०८ + ३०९, ३४०, ३४८, ३४९ व ३५० मोकळ्या जमिनीसाठी इच्छुक निविदाकारांकडून लिज पद्धतीवर जमीन वितरण ई-निविदा मागविण्यात येत आहे.	रु. १,२०,४७,०८,८२३/-	रु. ३ लाख

- ई-निविदा संचाची विक्री किंमत : रु.५,९००/-(जी.एस.टी.सह) विनापरतावा.
- निविदा स्विकृती अधिकाऱ्यांकडे निविदा स्विकारण्याचा अथवा आलेल्या सर्व ई-निविदा रद्द करण्याचा संपुर्ण अधिकार राहील.

-स्वाक्षरीत/-
कार्यकारी अभियंता-१
पुणे मंडळ

दि. ११/०२/२०२६

24.64 लाख आईटीआर लंबित

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए दाखिल कुल 8.80 करोड़ आयकर रिटर्न (आईटीआर) में से लगभग 24.64 लाख रिटर्न 90 दिनों से अधिक समय से प्रोसेसिंग के लिए लंबित हैं। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने राज्यसभा में बताया कि 4 फरवरी तक कुल 8,79,62,234 रिटर्न दाखिल किए गए थे। मंत्री ने एनयूडीजीई अभियान की सफलता का भी जिक्र किया। इसके माध्यम से पिछले 2 वर्षों में 1.11 करोड़ संशोधित रिटर्न दाखिल हुए, जिससे 6,976.50 करोड़ का अतिरिक्त टैक्स प्राप्त हुआ।

विपक्षी गठबंधन में फूट पड़ी तो टूटा कांग्रेस का हठ, खत्म हुआ गतिरोध

लोकसभा में बजट पर चर्चा शुरू : राहुल की जिद नहीं हुई पूरी...सपा सांसद ने पूरक सवाल भी पूछे

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को पहले बोलने देने की जिद पूरी हुए बिना ही कांग्रेस को आम बजट पर चर्चा के लिए राजी होना पड़ा। दरअसल, अपने इस रुख की वजह से कांग्रेस विपक्षी गठबंधन के अलग-थलग पड़ गई थी। सरकार ने भी इसे भांप लिया और मंगलवार को बिना शर्त गतिरोध खत्म करने पर अड़ गई। सहयोगियों के विपरीत रुख के कारण मजबूर कांग्रेस को भी आखिरकार झुकना पड़ा।

दरअसल, सोमवार और मंगलवार को हुई विपक्षी गठबंधन की बैठक में सपा, तृणमूल और वाम दल बजट सत्र पर चर्चा को जाया नहीं होने देने के पक्ष में थे। सपा और तृणमूल का कहना था कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते समेत बजट की खामियों पर सरकार को घेरना चाहिए। इसके बाद मंगलवार को प्रश्नकाल के दौरान जहां तृणमूल के सदस्य कांग्रेस के साथ विरोध में शामिल नहीं हुए, वहीं सपा सांसद इकरा हसन ने कांग्रेस के रुख के उलट पूरक सवाल भी पूछे।

अविश्वास की चिंता : बदली परिस्थितियों में कांग्रेस को अपने अविश्वास प्रस्ताव की चिंता हुई, क्योंकि तृणमूल इसके लिए भी तैयार नहीं थी। सहयोगियों के प्रतिकूल रुख के बाद कांग्रेस ने ध्यान नोटिस से एकजुटता दिखाने में लगाई। इसके बाद कांग्रेस नेताओं ने सपा समेत उन दलों से संपर्क साधा, जिनका रुख इस मामले में भी स्पष्ट नहीं था। हालांकि तृणमूल को छोड़ अन्य सहयोगी नोटिस पर हस्ताक्षर के लिए तैयार हो गए।

सरकार ने मौके को भुनाया : विपक्ष में फूट को सरकार ने सही मौके पर भुनाया। पहले प्रश्नकाल के दौरान संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस पर सीधा हमला बोला कि उसे छोड़ कर सभी विपक्षी सदन चलाना चाहते हैं। विपक्ष के साथ बैठक में कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने दो टूक कहा कि सदन चलाने के लिए सरकार एक भी शर्त नहीं मानेगी।

अखिलेश : दूरबीन से भी नहीं दिख रहा फायदा...भाजपा बताए शून्य बड़ा या 18

बजट पर चर्चा के दौरान सपा सांसद अखिलेश यादव ने अमेरिका के साथ व्यापार समझौते पर तंज कसते हुए कहा कि भाजपा बताए शून्य बड़ा है या 18। अखिलेश ने कहा, इस बजट ने लोगों पर बोझ डालने के अलावा कुछ नहीं किया। लोग दूरबीन लगाकर ढूंढ रहे कि उनके लिए क्या है। स्वास्थ्य को लेकर सरकार ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। यूपी में तो और बुरे हाल हैं। अस्पतालों को खोलने की बात कर रहे हैं, लेकिन इलाज नहीं दे रहे। दिल्ली के एम्स के लिए 5600 करोड़ दिए और पूरे देश के आयुष्मान के लिए 4700 करोड़ दिए। बताएं किसको दोषी ठहराएं।

■ अखिलेश ने कहा, सरकार किसानों के लिए काले कानून लाई, लेकिन उन्हें मजबूर होकर वापस लेना पड़ा। अब वे फिर यही कर रहे हैं। हमारे दूध के उत्पादक किसानों को एमएसपी कब देंगे।

■ सरकार बताए कि धान और आलू की कीमत किसानों को क्यों नहीं मिल रही है। अमीरी बेतहाशा बढ़ रही है। मेक इन इंडिया का शेर जंग खा रहा है। सभी योजनाएं फेल हो रही हैं। आप बेरोजगारी नहीं खत्म कर पा रहे हैं।

कारसेवकों पर जिसने गोलियां चलवाईं...वे मंदिर बना रहे

अखिलेश ने चर्चा के दौरान भाजपा सांसद अरुण गोविल की ओर इशारा करते हुए कहा कि रामजी को सबसे पीछे बैठाया गया है। इस पर सत्ता पक्ष ने कहा, कार सेवकों पर गोली चलाने वाले यह बात कर रहे हैं। इस पर अखिलेश भड़क गए। कहा, जिन्होंने गोली चलवाई, वो राम मंदिर बनवा रहे हैं। उनका इशारा नृपेंद्र मिश्रा की ओर था, जो 1990 में मुलायम सरकार में सचिव थे। वर्तमान में मंदिर निर्माण समिति के चेयरमैन हैं।

व्यापार समझौते पर पिंग पोंग खेल रहे मंत्री : थरूर

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने बजट पर चर्चा शुरू करते हुए कहा कि बजट की असली कमजोरी इसके कार्यान्वयन में निहित है क्योंकि बयानबाजी वास्तविकता से मेल नहीं खाती।

■ एक मीडिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए थरूर ने कहा कि पिछले बजट में 53 कल्याणकारी योजनाओं के लिए पांच लाख करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान था, पर पहले नौ महीनों में केवल 41% ही खर्च किया गया।

■ अमेरिका के साथ व्यापार समझौते के मुद्दे पर थरूर ने केंद्रीय मंत्री एस जयशंकर और पीयूष गोयल पर भी निशाना साधा और पिंग पोंग खेलने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, जब दोनों मंत्री कहते हैं कि जवाब देना उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं है और एक-दूसरे पर जवाब ठेल देते हैं तो यह बेहद निराशाजनक प्रतीत होता है।

■ **रॉबिन हुड मॉडल को उल्टा लागू कर रही**

तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी ने कहा, सरकार रॉबिन हुड मॉडल को उल्टा लागू कर रही है। गरीबों से टैक्स और महंगाई के जरिये पैसा लिया जा रहा है, जबकि अमीरों को रियायतें दी जा रही हैं। सात वर्षों में प. बंगाल ने 6.5 लाख करोड़ टैक्स के रूप में दिए, पर उसे 1.90 लाख करोड़ रुपये का बकाया नहीं मिला।

तृणमूल का नहीं मिला साथ

बजट पर चर्चा की शुरुआत लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से कराने पर अड़ी कांग्रेस को तृणमूल कांग्रेस का साथ नहीं मिला। तृणमूल सांसद विरोध में शामिल भी नहीं हुए। संसद परिसर में तृणमूल सांसद जून मालिया, अभिषेक बनर्जी, शताब्दी रॉय और महुआ मोइत्रा ने कांग्रेस से दूरी बनाई।

सीटें खाली न रहें, इसलिए घटाई नीट पीजी के लिए योग्यता पात्रता

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने पीजी मेडिकल सीटों को खाली रहने से बचाने के लिए पीजी काउंसलिंग 2025 की योग्यता पात्रता को कम कर दिया है। स्वास्थ्य राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल ने राज्यसभा में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दूसरे दौर की काउंसलिंग के बाद मेडिकल काउंसलिंग कमेटी की 29,476 सीटों में से 9,621 सीटें खाली रह गई थीं। इसके अलावा, राज्यों के कोटे और डिप्लोमेट ऑफ नेशनल बोर्ड (डीएनबी) सीटों को मिलाकर लगभग 20,000 सीटें खाली पाई गईं। मंत्री ने स्पष्ट किया कि पिछले शैक्षणिक वर्षों की तरह इस बार भी अधिकतम सीटों का उपयोग सुनिश्चित करने के लिए यह फैसला लिया गया है। ब्यूरो

अध्यक्ष को दिया जाना चाहिए समय : तृणमूल

मुख्य रूप से कांग्रेस के इस प्रस्ताव से लोकसभा में तीसरी सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी तृणमूल कांग्रेस ने दूरी बना ली है। हालांकि सपा, राजद, द्रमुक, वामदलों ने प्रस्ताव का समर्थन किया। तृणमूल संसदीय दल के अध्यक्ष अभिषेक बनर्जी ने कहा कि इस मामले में अध्यक्ष को समय दिया जाना चाहिए था। उन्हें सभी दलों की ओर से पत्र लिखकर आपत्तियां दर्ज करानी चाहिए थीं। इसके बावजूद स्थिति में बदलाव नहीं होता, तब नोटिस दिया जाता। उन्होंने सवाल किया, पहली ही बार में ब्रह्मास्त्र के उपयोग की जरूरत क्या है?

नोटिस में राहुल गांधी के हस्ताक्षर नहीं

नोटिस में जिन 118 सांसदों के हस्ताक्षर हैं, उनमें नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का नाम नहीं है। कांग्रेस सूत्रों ने कहा कि ऐसा संसद की स्थापित मान्यताओं और परंपराओं को ध्यान में रखते हुए किया गया है। नोटिस में पहला हस्ताक्षर कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल, दूसरा द्रमुक सांसद टीआर बालू व तीसरा सपा प्रमुख अखिलेश यादव का है।

सदन के संचालन से दूर रहे बिरला

अविश्वास प्रस्ताव की हलचल के बीच अध्यक्ष बिरला ने मंगलवार को सदन की कार्यवाही के संचालन से दूरी बरती। सूत्रों का कहना है, बिरला तब तक कार्यवाही का संचालन नहीं करेंगे, जब तक अविश्वास प्रस्ताव पर फैसला न हो जाए। संभवतः अब बजट सत्र के दूसरे चरण के पहले दिन 9 मार्च को प्रस्ताव पर चर्चा होगी।

इस नोटिस का कोई अर्थ नहीं है। सरकार के पास संख्या बल है। कांग्रेस तथ्यहीन आरोपों के जरिये संसद को हाईजैक करना चाहती है। देश ने देखा है कि सत्र के दौरान कांग्रेस सांसदों ने संसदीय परंपराओं की धज्जियां उड़ा दीं।

-किरेन रिजिजू, संसदीय कार्य मंत्री

अब भाजपा की महिला सांसदों ने लिखा पत्र
स्पीकर पर भरोसा, सदन की गरिमा के लिए दिखाया धैर्य

नई दिल्ली। भाजपा की 11 महिला सांसदों ने लोकसभा स्पीकर को पत्र लिख कर न सिर्फ उन पर भरोसा जताया है, बल्कि 4 फरवरी को सदन कांग्रेस समेत विपक्षी दलों के सांसदों के असंसदीय आचरण पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कार्रवाई की मांग की है। पत्र में उस घटना का व्यापक जिक्र किया गया है, जिस दिन हंगामे के कारण प्रधानमंत्री राष्ट्रपति के अभिभाषण पर हुई चर्चा का जवाब नहीं दे पाए थे।

महिला सांसदों ने उस दिन स्पीकर की भूमिका की तारीफ की है। इसमें लिखा है कि तब स्पीकर ने सदन की गरिमा और मर्यादा बनाए रखने के लिए बेहद धैर्य और मजबूती दिखाई। ये पत्र ऐसे समय में लिखा गया है जब कांग्रेस की महिला सांसदों ने सोमवार को स्पीकर को पत्र लिख कर उनके सदन चलाने के तरीके पर आपत्ति जताई है। उन्होंने लिखा कि हाथों में बैनर लिए महिला सांसद नारेबाजी करते हुए पीएम की सीट तक पहुंच गई। वरिष्ठ मंत्रियों को भी घेर लिया। ऐसे में संसदीय मर्यादा की रक्षा के लिए ऐसे सांसदों के खिलाफ कार्रवाई जरूरी है। ब्यूरो

संयम बरता नहीं तो बिगड़ जाते हालात

कांग्रेस की महिला सांसदों द्वारा प्रधानमंत्री के चेयर का घेराव, उनके सदन में आने के रास्ते में रुकावट डालने और आक्रामक रुख अपनाने का जिक्र करते हुए पत्र में लिखा है कि उस दिन महिला सांसद संयम नहीं बरतती तो बड़ी अनहोनी हो सकती थी।

कांग्रेस के व्यवहार से लोकसभा में बिगड़ सकती थी स्थिति : रिजिजू

नई दिल्ली। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि 4 फरवरी को भाजपा सांसदों को नहीं रोका जाता और महिला सांसदों को कांग्रेस सदस्यों से भिड़ने दिया जाता, तो स्थिति और बिगड़ जाती। उस दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का जवाब देना था। विपक्षी सांसद बाद में स्पीकर के कक्ष में गए और उन्हें धमकी दी। रिजिजू ने कहा, वीडियो में देखा गया कि विपक्ष की महिला सांसद प्रधानमंत्री की सीट तक पहुंच गई थीं। विपक्ष के व्यवहार को कैसे सही ठहराया जा सकता है। भाजपा नेतृत्व ने साफ निर्देश दिए थे कि सदन की गरिमा बनी रहनी चाहिए और कोई भी सत्तापक्ष का सांसद शारीरिक टकराव में शामिल न हो। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस की कई महिला सांसद ट्रेजरी बेंच पार कर प्रधानमंत्री की सीट तक पहुंच गईं। भाजपा और एनडीए के सांसद इस व्यवहार से नाराज थे, खासकर महिला सांसद। ब्यूरो

शिवसेना सांसद ने राहुल पर साधा निशाना
कुछ लोगों का भारत पर भरोसा ही मृत, जिंदा है तो सिर्फ नफरत : देवड़ा

नई दिल्ली। राज्यसभा में केंद्रीय बजट पर चर्चा के दौरान शिवसेना सांसद मिलिंद देवड़ा ने भारत की अर्थव्यवस्था को मृत बताने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान पर तीखा जवाब दिया। देवड़ा ने कहा, मरा हुआ अगर कुछ है, तो कुछ लोगों का भारत और उसकी अर्थव्यवस्था पर भरोसा। जिंदा है तो सिर्फ उनकी देश के प्रति नफरत। देवड़ा का बयान कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को जवाब माना जा रहा है। ट्रंप के इस दावे के बाद राहुल ने सरकार पर तीखे हमले किए थे।

देवड़ा ने कहा कि अगर भारत की अर्थव्यवस्था डेड है, तो फिर यूरोपीय संघ ने चीन या अमेरिका के बजाय भारत के साथ सबसे बड़ा व्यापार समझौता क्यों किया? उन्होंने दावा किया कि दुनिया के सभी देश भारत के साथ व्यापार समझौते करना चाहते हैं और ये समझौते भारत की शर्तों पर हो रहे हैं। उन्होंने कहा, भारत सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था है। यूपीआई से रोज 70 करोड़ से ज्यादा लेनदेन कर रहा है, जिससे भारत रियल टाइम डिजिटल पेमेंट में वैश्विक नेता बना है। जनधन योजना से 50 करोड़ लोग बैंकिंग प्रणाली से जुड़े और 41 लाख करोड़ सीधे खातों में भेजे गए। ब्यूरो

ड्रग्स तस्करी रोकने और निगरानी के लिए डार्कनेट और क्रिप्टोकरेंसी पर कार्यबल

नई दिल्ली। सरकार ने डार्कनेट और क्रिप्टोकरेंसी पर एक कार्य बल का गठन किया है, जो मादक पदार्थों की तस्करी को बढ़ावा देने वाले विभिन्न प्लेटफार्म पर नजर रखती है। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने एक लिखित उत्तर में कहा कि सरकार ने सीमा पार से होने वाली और अंतरराज्यीय ड्रग्स तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी), राज्य नारकोटिक्स रोधी कार्य बल (एएनटीएफ) और सीमा की सुरक्षा करने वाले बलों के बीच अंतर-एजेंसी समन्वय के लिए विभिन्न कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा, बहु-एजेंसी केंद्र के तहत कार्य बल का गठन किया गया है, जिसका मुख्य उद्देश्य नशीले पदार्थों की तस्करी में सहायक प्लेटफार्म की निगरानी करना, तस्करी से संबंधित जानकारियों का एजेंसियों/एमएसी सदस्यों के बीच आदान-प्रदान करना है। ब्यूरो

अविश्वास प्रस्ताव : नोटिस में गलत तारीख, भाजपा ने कसा तंज

स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव के नोटिस में तकनीकी खामियां पाई गईं। नोटिस में वर्ष 2026 की जगह बार-बार 2025 लिखा गया था, जिसे गंभीर प्रक्रियागत चूक माना गया। इसके बाद कांग्रेस ने संशोधित नोटिस के साथ प्रस्ताव दोबारा जमा किया। भाजपा ने इस पर कांग्रेस व राहुल गांधी पर कटाक्ष किया। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने सोशल मीडिया पर लिखा, पप्पू ब्रिगेड तो ठीक से नोटिस भी जमा नहीं कर पाई। कांग्रेस सचमुच एक बालक बुद्धि पार्टी है।

क्या हैं आरोप : ■ नेता प्रतिपक्ष को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर भाषण पूरा नहीं करने दिया गया। आसन हमेशा से नेता प्रतिपक्ष के खिलाफ पूर्वाग्रही रवैया अपनाता है। ■ 3 फरवरी को मनमाने तरीके से कांग्रेस के 8 सदस्यों को निलंबित कर दिया गया। लोकतांत्रिक अधिकारों के इस्तेमाल की सजा दी गई। ■ 4 फरवरी को भाजपा सांसद को दो पूर्व पीएम पर आपत्तिजनक और निजी हमले की इजाजत दी गई। आसन ने एक बार भी सांसद को नहीं रोका। ■ प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब देने के लिए पीएम के न आने पर आसन ने महिला सांसदों पर झूठे और अपमानजनक आरोप लगाए। स्पीकर ने संसदीय प्रक्रियाओं की जगह सरकार के इशारे पर पद का दुरुपयोग करने का रास्ता चुना।

अध्यक्ष को हटाने के प्रयास कभी सफल नहीं
संसदीय इतिहास में चौथी बार स्पीकर को हटाने के लिए विपक्ष लाया अविश्वास प्रस्ताव

नई दिल्ली। विपक्षी सांसदों की ओर से लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पद से हटाने के लिए दिए गए अविश्वास प्रस्ताव के नोटिस के बीच तथ्य यह भी है कि स्पीकर को हटाने का कोई भी प्रयास सफल नहीं हुआ है। संसदीय इतिहास में चौथा मौका है, जब स्पीकर को हटाने के लिए विपक्ष ने नोटिस दिया है।

नियमों के अनुसार, अध्यक्ष को हटाने के प्रस्ताव पर कम से कम दो सदस्यों के हस्ताक्षर जरूरी होते हैं। हालांकि दो से अधिक सदस्य भी हस्ताक्षर कर सकते हैं। संविधान के अनुच्छेद 94(सी) में अध्यक्ष को हटाने का प्रावधान है। सदन में साधारण बहुमत से प्रस्ताव पारित होने पर अध्यक्ष पद से हट सकते हैं।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को इंडोनेशिया के एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की।

संविधान विशेषज्ञ और पूर्व लोकसभा महासचिव पीडीटी आचार्य के मुताबिक, बहुमत की गणना करते समय केवल उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों को नहीं, बल्कि सदन की कुल प्रभावी सदस्य संख्या (रिक्त पदों को छोड़कर) को गिना जाता है। नोटिस केवल लोकसभा महासचिव को ही दिया जा सकता है, किसी और को नहीं। ब्यूरो

पहले भी दिया नोटिस

■ 1954 में सोशलिस्ट पार्टी के सांसद विघ्नेश्वर मिसिर ने देश के पहले स्पीकर जीवी मावलंकर के खिलाफ प्रस्ताव पेश किया था, जो बहस के बाद खारिज हो गया।

■ 1966 में मधु लिमये ने तत्कालीन स्पीकर हुकम सिंह के खिलाफ नोटिस दिया, हालांकि जरूरी 50 सांसदों का समर्थन नहीं जुटा पाए।

■ सोमनाथ चटर्जी ने 1987 में स्पीकर बलराम जाखड़ के खिलाफ प्रस्ताव पेश किया था। यही सोमनाथ बाद में लोकसभा के स्पीकर भी बने।

अध्यक्ष को पक्ष रखने का अधिकार

अनुच्छेद 96 के तहत अध्यक्ष को सदन में पक्ष रखने का अधिकार है। बिरला ने लोकसभा सचिवालय के महासचिव उत्पल कुमार सिंह को नोटिस की जांच का निर्देश दिया है।

जांच के बाद 14 दिनों में आ सकता है प्रस्ताव : जांच प्रक्रिया पूरी होने के बाद प्रस्ताव 14 दिन के भीतर सदन में लाया जा सकता है। सदन पहले इसे अनुमति देता है। इसके लिए अध्यक्ष समर्थक सदस्यों से खड़े होने को कहते हैं। अगर 50 सदस्य समर्थन में खड़े होते हैं, तो चर्चा की अनुमति मिल जाती है। इसके बाद 10 दिनों के भीतर प्रस्ताव पर चर्चा और निर्णय करना होता है। अब तक ऐसे किसी प्रस्ताव को सदन ने पारित नहीं किया है। सरकार के पास बहुमत होने के कारण ऐसे प्रस्ताव सफल नहीं हो पाते।

एमबीबीएस : आयुष स्नातकों को कोई केंद्रीय कोटा नहीं

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि नीट-यूजी के माध्यम से एमबीबीएस कोर्स में प्रवेश के लिए आयुष स्नातकों के लिए केंद्रीय स्तर पर कोई विशिष्ट आरक्षण नीति नहीं है। स्वास्थ्य राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने राज्यसभा में बताया कि आयुष स्नातक, स्नातक चिकित्सा शिक्षा विनियम (जीएमईआर) के मानदंडों के अनुसार नीट परीक्षा में बैठने के पात्र हैं, लेकिन उन्हें उनकी पिछली डिग्री के आधार पर कोई विशेष वरीयता नहीं दी जाती है। ऑल इंडिया कोटा सीटों पर काउंसलिंग मौजूदा आरक्षण नीतियों के अनुसार होती है। ब्यूरो

विदेश

बांग्लादेश : जनमत संग्रह पर मुख्य सलाहकार की हां में वोट की अपील

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने अपने देश के लोगों से 12 फरवरी को आम चुनावों के साथ-साथ होने वाले जनमत संग्रह में 'हां' में वोट देने और उनके प्रस्तावित सुधार पैकेज का समर्थन करने की अपील की है।

उधर, संसदीय चुनावों की समय सीमा नजदीक आने के साथ ही देश में राजनीतिक प्रचार अंतिम चरण में है और सभी निर्वाचन क्षेत्रों में घर-घर संपर्क, रैलियां और भाषण चले, लेकिन मंगलवार शाम को यह समाप्त हो गए। बांग्लादेश के चुनाव कानूनों के अनुसार, आधिकारिक प्रचार मतदान शुरू होने से 48 घंटे पहले समाप्त हो जाएगा। ऐसे में 10 फरवरी को शाम 7:30 बजे से यह समाप्त हो गया। बांग्लादेश नेशनल पार्टी, जमात-ए-इस्लामी और अन्य छोटे दल मैदान में हैं। इस बार शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग को चुनावों से दूर कर दिया गया है। एजेंसी

यूनुस बोले-पैकेज का समर्थन करें

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यों के लिए मुहरबंद "खुली निविदा" वरिष्ठ मंडल सिग्नल एवं दूरसंचार, पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ के द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से आमंत्रित की जाती है। **निविदा नोटिस सं 14 वर्ष 2026 कार्य का विवरण:** लखीमपुर – फरधान स्टेशन के बीच किलोमीटर 59/4–5 पर स्थित मानवयुक्त एलसी गेट नंबर 138 स्टेशन को बंद करने के संबंध में सिग्नल का काम। **अनुमानित लागत:** ₹34,10,904.36 **बयाना राशि:** ₹68,200.00 **निविदा प्रपत्र का मूल्य :** Rs 00.00 **कार्य समापन अवधी :** 06 माह। **निविदाओं के बंद होने की अंतिम तिथि एवं समय 10.03.2026 15.00 बजे: नोट:** 1. इस निविदा के विरूद्ध मैन्युअल आफर स्वीकार नही किया जायेगा। ऐसे प्राप्त मैन्युअल ऑफर को उपेक्षित कर दिया जायेगा। विस्तृत विवरण एवं निविदा जमा करने हेतु कृपया भारतीय रेलवे की वेबसाइट **http://www.ireps.gov.in** को देखें। **मं0रे0प्र0 (सि0एवंदू0सं0)/लखनऊ**

मुजाधि/सिंगनल–102

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक/इंजीनियरिंग/पूर्वोत्तर रेलवे/लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु आनलाईन 'खुली' ई– निविदायें आमंत्रित की जाती हैं जिसका विवरण नीचे निम्नवत है। **ई–निविदा संख्या :** NER-LJN-2026-29 **कार्य का नाम:** पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मण्डल – गोरखपुर–गोंडा अनुभाग में ब्रिज नंबर 184–डाउन (9x45.7 मीटर) OWG के पियर्स नंबर 1,4,5,6,7 और 8 की जैकेटिंग का कार्य। (कुल 06 पियर्स) **अनुमानित लागत (रु.) :** 45396380.92 **अग्रिम धन (रु) :** 377000.00/– **समापन अवधि :** 12 माह। 1. उपरोक्त ई–निविदा संख्या **NER-LJN-2026-29** के लिये ई–निविदा दिनांक 03.03.2026 को 15.00 बजे तक अपलोड की जा सकती है तथा उसी दिन समय 15.00 बजे के बाद ई–निविदा खोली जायेंगी। 2. उपरोक्त ई–निविदा से सम्बन्धित सभी सूचना, निम्नतम अर्हता, नियम एवं शर्तों का पूर्ण विवरण पूर्वोत्तर रेलवे के वेबसाइट **www.ireps.gov.in.** पर उपलब्ध है। निविदाकार ई निविदा प्रपत्र को अपलोड करने से पूर्व इस ई–निविदा सूचना से सम्बन्धित वेबसाइट पर उपलब्ध शुद्धि पत्र (यदि, कोई हो तो) को भी संज्ञान में लेना सुनिश्चित करें।

मंडल रेल प्रबंधक (इंजी0)
मुजाधि/डब्लू–456 **लखनऊ**

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

IDBI BANK

क्षेत्रीय कार्यालयः द्वितीय तल, बीएसएनएल भवन, मॉल रोड, कानपुर– 208001

अचल संपत्तियों की बिक्री के लिए सार्वजनिक सूचना/बिक्री सूचना

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 (6) के परन्तुक के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति छित का प्रवर्तन अधिनियम 2002 के अधीन अचल आस्तियों के विक्रय हेतु ई–नीलामी विक्रय नोटिस।

सर्वसाधारण और विशेष रूप से उधारकर्ता (ओं) एवं गारंटर (ओ) को सूचित किया जाता है कि नीचे वर्णित अचल संपत्तियाँ, जो IDBI बैंक के पक्ष में बंधक/चार्ज की गई थी, जिनका सांकेतिक कब्जा प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है, उन्हें **नीचे दिए गए दिनांक को "जैसी है जहाँ है", "जैसी है वैसी है" और "जो कुछ भी है"** आधार पर बेचा जाएगा, ताकि बकाया राशि, ब्याज और संबंधित व्यय की वसूली की जा सके, जैसा कि नीचे तालिका में उल्लेखित है। यह बिक्री IDBI बैंक द्वारा बकाया राशि की वसूली के लिए की जाएगी। आरक्षित मूल्य और बयाना राशि नीचे दी गयी तालिका में उल्लेखित है। उधारकर्ताओं, बंधककर्ताओं, गारंटरों, बकाया राशि, बयाज़ और व्यय का विवरण तथा अचल संपत्ति और कोई भी ज्ञात भार (अगर कोई है तो) के बारे में विवरण नीचे तालिका में उल्लेखित है।

क्र. सं.	उधारकर्ता/सह–उधारकर्ता/गारंटर/बंधक कर्ता का नाम	बकाया राशि का उल्लेख मांग नोटिस के अनुसार किया गया है	अचल सुरक्षित परिसंपत्तियों का विवरण	ई–नीलामी की तिथि और समय	आरक्षित मूल्य / ईएमडी / बोली वृद्धि राशि	निरीक्षण/ईएमडी की तिथि एवं समय	प्राधिकृत अधिकारी/नोडल अधिकारियों का नाम एवं संपर्क संख्या
1.	1. अतुल आयरन वर्क्स (फर्म/उधारकर्ता) 2. श्री बृज किशोर पोरवाल पुत्र श्री राम मोहन पोरवाल (पार्टनर/उधारकर्ता/गारंटर) 3. श्री अतुल कुमार पुत्र श्री राम मोहन पोरवाल (पार्टनर/उधारकर्ता/गारंटर)	रु. 21,88,767/– (रूपये इक्कीस लाख अठ्ठासी हजार सात सौ सरसठ मात्र) + दिनांक 01.11.2023 से ब्याज/जुर्माना/अतिरिक्त शुल्क सहित	अचल सम्पत्ति के सभी भाग व खण्ड आवासीय प्लॉट, क्षेत्रफल 83.64 वर्ग मीटर स्थित मौजा कस्बा इटावा (गांधी नगर), तहसील इटावा, इटावा, राज्य उत्तर प्रदेश, **चौहद्दीः पूर्वः** हकीम सिंह का प्लॉट, **पश्चिमः** गली, **उत्तरः** सुल्तान सिंह का मकान, **दक्षिणः** गली साथ ही, इस पर बनी सभी संरचनाएं एवं निर्माण, वर्तमान एवं भविष्य दोनों।	तिथिः 16.03.2026 समयः 11.00 बजे से 04.00 बजे तक	रू. 32,28,000/- रू. 3,22,800/- रू. 10,000/-	तिथिः 13.03.2026 केवल बैंकिंग समय के दौरान 14.03.2026 शाम 6:00 बजे तक	ऋचा अवस्थी (मो0. 7905314386) सुमंत प्रसाद (मो0. 9899896356) मनीष कुमार (मो0. 8299709587)
सुरक्षित लेनदार को ज्ञात भारः– (श्री सुधीर कुमार गिरवी रखी गई संपत्ति में निवास कर रहे हैं)							
2.	1. मेसर्स नारायण इंटरप्राइजेज (फर्म/उधारकर्ता) 2. श्री शिरीष मिश्रा (प्रोपराइटर/उधारकर्ता/गारंटर) 3. श्रीमती उर्मिला देवी मिश्रा (बंधककर्ता/गारंटर)	रु. 14,43,998/– (रूपये चौदह लाख तिरासी हजार नौ सौ अठ्ठानवे मात्र) + दिनांक 01.10.2017 तक + ब्याज/जुर्माना/अतिरिक्त शुल्क दिनांक 02.10.2017 से प्रभावी	अचल सम्पत्ति के सभी भाग व खण्ड, मकान संख्या जे–2/13, ब्लॉक W–1, स्कीम 2, जूही कलां, कानपुर नगर, **क्षेत्रफल 111.152 वर्ग मीटर, चौहद्दीः पूर्वः** 9.15 मीटर सड़क, **पश्चिमः** मकान संख्या 12, **उत्तरः** मकान संख्या 14, **दक्षिणः** 12 मीटर सड़क साथ ही, इस पर बनी सभी संरचनाएं एवं निर्माण, वर्तमान एवं भविष्य दोनों।	तिथिः 16.03.2026 समयः 11.00 बजे से 04.00 बजे तक	रू. 83,70,000/- रू. 8,37,000/- रू. 10,000/-	तिथिः 13.03.2026 केवल बैंकिंग समय के दौरान 14.03.2026 शाम 6:00 बजे तक	सुनील कुमार कंदु (6392312473) सुमंत प्रसाद (9899896356) मनीष कुमार (8090098551)
सुरक्षित लेनदार को ज्ञात भारः– (श्रीमती उर्मिला देवी मिश्रा गिरवी रखी गई संपत्ति में निवास कर रही हैं)							

ईएमडी केवल www.baanknet.com के माध्यम से जमा की जानी है।
बिक्री के विस्तृत नियम एवं शर्तों के लिए, कृपया आईडीबीआई बैंक लिमिटेड सुरक्षित लेनदार की वेबसाइट www.idbibank.in पर दिए गए लिंक को देखें।

दिनांकः 11.02.2026 **स्थानः कानपुर/इटावा** **प्राधिकृत अधिकारी, आईडीबीआई बैंक लि.**

नगर निगम चंडीगढ़

ई-निविदा सूचना

क्र. सं.	कार्य का नाम	बोली प्रस्तुतिकरण अनुसूची (ऑनलाईन)	तकनीकी बोली खोलना (ऑनलाईन)
अधिशासी अभियंता - एम.सी.पी.एच. मंडल सं. 1			
1.	एसडीई एमसीपीएच उपमंडल सं. 13, चंडीगढ़ के अधिकार क्षेत्र में पुलिस स्टेशन सेक्टर-56 और पुराने सामुदायिक केंद्र के समीप से सीवेज सम्प पंप, सैक्टर-55, चंडीगढ़ तक सीवेज के बढ़िया निर्वर्तन हेतु तथा 300 एमएम आई/डी, 400 एमएम आई/डी, 450 एमएम आई/डी, 600 एमएम आई/डी तथा 700 एमएम आई/डी आरसीसी एनपी-3 पाईपों को सशक्त करने, प्रावधान व बिछाई तथा मशीन होल्स का निर्माण।(सीएचःटूःअमृत 2.0) **राशि :** 2,95,46, 176/-रु. **ईएमडी :** 5,90,923/- रु. **समय सीमा :** 06 माह	09.02.2026 से 23.02.2026 को अप. 03.00 बजे	23.02.2026 को अप. 03:30 बजे
अधिशासी अभियंता - सड़क मंडल सं. 2			
2.	ट्रांसपोर्ट एरिया सेक्टर 26 चंडीगढ़ में सड़कों /पार्किंग की पुनः कारपेटिंग। (सड़कों/पार्किंग स्थलों तथा इन्फ्रास्ट्रक्चर सुविधा का सुधार) **अनु. लागत :** 153.38 लाख रु., **धरोहर राशि :** 3,06,760/- रु. **समय सीमा :** 06 माह	10.02.2026 से 18.02.2026 को दोपहर 12.00 बजे तक	24.02.2026 को दोपहर 12:00 बजे
अधिशासी अभियंता - एसडब्ल्यूएम मंडल			
3.	ट्रायल रन तथा 24 माह के ओ एंड एम सहित डंपिंग ग्राऊंड डड्डूमाजरा चंडीगढ़ में 250 केएलडी क्षमता के लीचेट ट्रीटमेंट प्लांट का डिजाईन, सप्लाई, संस्थापन, परीक्षण व कमिशनिंग। (पुनः आमंत्रण) आसन्न राशि : 603.21 लाख रु. **धरोहर राशि :** 12,06,420/- रु. **समय अवधि :** कैपिटल पार्ट हेतु : 05 माह (ट्रायल रन के बगैर) ट्रायल रन : 02 माह ओ एंड एम हेतु : 02 वर्ष ट्रायल रन हेतु **निविदा फीस :** 5,000/-रु.	11.02.2026 को पूर्वा. 09.00 बजे से 18.02.2026 को अप. 01.00 बजे	18.02.2026 को अप. 01:30 बजे

नोटः 1) विस्तृत शर्तों व नियमों के साथ निविदा सूचना को वेबसाईट www.chandigarh.gov.in or etenders.chd.nic.in पर उपलब्ध/अपलोड किया गया है।

अधिशासी अभियंता
एम.सी.पी.एच. मंडल सं. 1, सड़क मंडल सं. 2 और एसडब्ल्यूएम मंडल, एम.सी. चंडीगढ़